B.A(H) Part-1, Paper-1 Dr. Suman Kumar Poddar
(Lecture Series No - 42)

Topic :- Kinds of Production Function:-2
(उत्पादन फलन के प्रकार)-2

पिछले व्याख्यान संख्या-41 के माध्यम से हम उत्पादन फलन के प्रकार की व्याख्या की शुरुआत किए थे इसलिए उसमें उत्पादन फलन के प्रकार-1 अर्थात उत्पादन फलन के प्रकार से संबंधित पहला व्याख्यान था अब हम व्याख्यान संख्या-42 के माध्यम से उसे आगे व्याख्या कर रहे हैं जो निम्न मिलते हैं :—

(2) उत्पत्ति समता नियम (Law of Constant Returns) :-

अल्पकाल में परिवर्तनशील साधन की मात्रा को जब उत्तरोत्तर बढ़ाया जाता है, तब उत्पत्ति ह्रास की अवस्था के बाद उत्पत्ति समता की अवस्था प्राप्त होती है। जब उत्पादन की मात्रा उसी अनुपात में बढ़ती है जिस अनुपात से साधन बढ़ाये जाते हैं, तब उस समय उत्पत्ति समता नियम लागू माना जाता है। इस स्थिति में उत्पादन मात्रा समान दर से बढ़ती है अर्थात सीमान्त उत्पादन स्थिर रहता है। वह घटता-बढ़ता नहीं है।

एक सारणी में उत्पत्ति समता नियम को इस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है:

सारणी-2. कुल व सीमांत उत्पादन

साधनों की इकाइयाँ	कुल उत्पादन (टनों में)	सीमांत उत्पादन (टनों में)	औसत उत्पादन (टनों में)
1	150	150	150
2	300	150	150
3	450	150	150
4	600	150	150
5	750	150	150

Scanned with CamScanner

पिछले पृष्ठ के खाली-2 के आधार पर इस नियम को चित्र 3 द्वारा प्रदर्शित किया जा सकता है।

अतः स्पष्ट होता है कि सीमान्त उत्पादन की मात्रा समान रहती है। ऐसी स्थिति में औसत उत्पादन मात्रा एवं औसत लागत भी स्थिर रहती है।

चित्र 3 में स्थिर प्रतिफल की अवस्था को और चित्र 5 में स्थिर प्रतिफल को लागत दशाओं में प्रदर्शित किया गया है यह अवस्था क्षणिक होती है और इसके उपरांत ह्रास प्रतिफल मिलने लगते हैं।

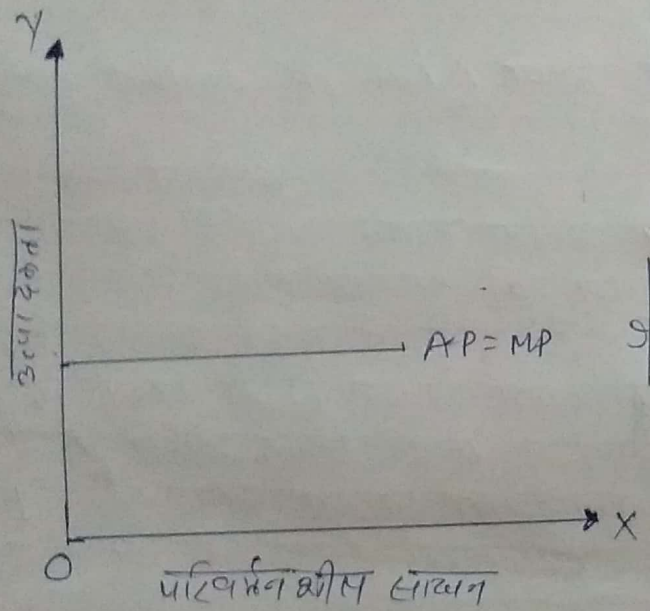

चित्र - 3 स्थिर प्रतिफल की अवस्था

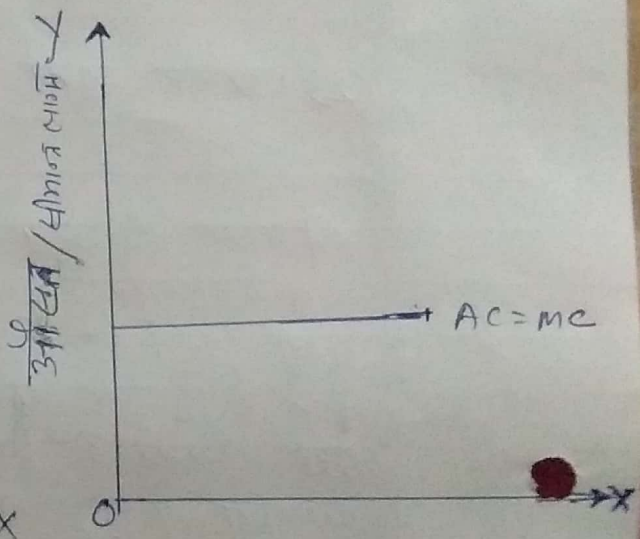

चित्र - 4, स्थिर प्रतिफल अर्थात् स्थिर लागत की अवस्था

Scanned with CamScanner